

# शैक्षिक वातावरण शिक्षक एवं छात्र संतुष्टि पर एक अध्ययन

Ravishankar Singh<sup>1\*</sup>, Dr. Ramashray Chauhan<sup>2</sup>

<sup>1</sup> Researcher, Capital University, Koderma

<sup>2</sup> Professor, Capital University, Koderma

सार - शैक्षिक वातावरण संस्थानों के भीतर शिक्षण और सीखने के अनुभवों की गुणवत्ता को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस अध्ययन का उद्देश्य शैक्षिक वातावरण और समग्र शैक्षिक प्रक्रिया पर इसके प्रभाव के संबंध में शिक्षकों और छात्रों दोनों के बीच संतुष्टि के स्तर की जांच करना है। संतुष्टि में योगदान देने वाले कारकों के साथ-साथ सुधार के संभावित क्षेत्रों की व्यापक जांच की जाएगी। इन उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए, एक मिश्रित-तरीके अनुसंधान दृष्टिकोण को नियोजित किया जाएगा। विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के शिक्षकों और छात्रों के विविध नमूने पर प्रशासित संरचित सर्वेक्षणों के माध्यम से मात्रात्मक डेटा एकत्र किया जाएगा। सर्वेक्षण कक्षा सुविधाओं, पाठ्यक्रम प्रभावशीलता, छात्र-शिक्षक बातचीत, सहायता सेवाओं और समग्र परिसर माहौल जैसे कारकों के बारे में प्रतिभागियों की धारणाओं का आकलन करेगा।

कीवर्ड - शैक्षिक, वातावरण, शिक्षक, छात्र, संतुष्टि

-----X-----

## 1. परिचय

सामाजिक क्रांति और सांस्कृतिक परिवर्तन के लिए शिक्षा सबसे शक्तिशाली उपकरण है। शिक्षा की चुनौती: एक नीति परिप्रेक्ष्य (1985) में, यह कहा गया है कि केवल शिक्षा ही लोगों को एक गतिशील, जीवंत और एकजुट राष्ट्र के निर्माण के लिए आवश्यक ज्ञान, उद्देश्य की भावना और आत्मविश्वास प्रदान कर सकती है, जो लोगों को प्रदान करने में सक्षम है। बेहतर पूर्ण और अधिक उद्देश्यपूर्ण जीवन बनाने के लिए साधन।[1]

औपचारिक शिक्षा की किसी भी प्रणाली में शिक्षक का महत्वपूर्ण स्थान होता है। सिस्टम की सफलता और प्रभावशीलता काफी हद तक उसके प्रदर्शन पर निर्भर करती है। शिक्षा की चुनौती में शिक्षक के प्रदर्शन पर जोर दिया गया। इसे शिक्षा के क्षेत्र में सबसे महत्वपूर्ण इनपुट माना गया। जो भी नीतियां निर्धारित की जा सकती हैं, अंतिम विक्षेपण में, शिक्षकों द्वारा उन्हें अपने व्यक्तिगत उदाहरण के साथ-साथ शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के माध्यम से व्याख्या और कार्यान्वित किया जाना चाहिए।[2]

हमारे देश के गौरवशाली अतीत से कई मूल्यवान परंपराएँ हमारे पास आई हैं। ऐसी ही एक परंपरा है हमारे शिक्षकों का समाज में सम्मान। प्राचीन भारत में शिक्षकों को समाज में सम्मान का

स्थान दिया जाता था और सामान्य तौर पर उन्हें उच्च सम्मान दिया जाता था। वैदिक काल में शिक्षा देने वाले को अपने शिष्यों का बौद्धिक और आध्यात्मिक पिता माना जाता था जो उन्हें अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाता था।

अन्य देशों में भी शिक्षकों को उच्च सम्मान दिया गया है। वास्तव में, शिक्षण को दुनिया भर में सबसे अच्छे व्यवसायों के रूप में स्वीकार किया गया है और समाज युवाओं को शिक्षित करके राष्ट्रों की नियति को आकार देने के लिए शिक्षकों का ऋणी है, जो बाद में नागरिकों के रूप में जिम्मेदारियां निभाते हैं।[3]

## 1.1 शैक्षिक संतुष्टि

शैक्षिक संतुष्टि से तात्पर्य छात्रों द्वारा उनकी शैक्षिक यात्रा में अनुभव किए गए संतुष्टि और संतुष्टि के समग्र स्तर से है। इसमें शैक्षिक अनुभव के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया है, जिसमें निर्देश की गुणवत्ता, पाठ्यक्रम प्रासंगिकता, शिक्षण विधियां, सीखने के संसाधन, स्कूल का वातावरण और साथियों और शिक्षकों के साथ बातचीत शामिल है। जब छात्र अपनी शिक्षा से संतुष्ट महसूस करते हैं, तो उनके शैक्षणिक कार्यों में संलग्न, प्रेरित और सफल होने की अधिक संभावना होती है।

शैक्षिक संतुष्टि में योगदान देने वाले प्रमुख कारकों में से एक शिक्षा की गुणवत्ता है। प्रभावी और आकर्षक शिक्षण विधियाँ जो विभिन्न शिक्षण शैलियों को पूरा करती हैं, सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करती हैं और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देती हैं, एक सकारात्मक शैक्षिक अनुभव में योगदान करती हैं। कुशल और जुनूनी शिक्षक जो अपने विषय क्षेत्रों के जानकार हैं और शिक्षण के प्रति उत्साह प्रदर्शित करते हैं, एक प्रेरणादायक सीखने का वातावरण बनाते हैं। जब छात्रों को उच्च-गुणवत्ता वाला निर्देश प्राप्त होता है जो अच्छी तरह से वितरित किया जाता है और उनकी बौद्धिक जिज्ञासा को उत्तेजित करता है, तो वे अपने शैक्षिक अनुभव से संतुष्ट महसूस करने की अधिक संभावना रखते हैं।[4]

### i. विद्यार्थी की संतुष्टि

विद्यार्थी संतुष्टि का तात्पर्य विद्यार्थियों द्वारा उनकी शैक्षिक यात्रा में अनुभव किए गए संतुष्टि और संतुष्टि के समग्र स्तर से है। इसमें शैक्षणिक, सामाजिक और व्यक्तिगत कारकों सहित छात्र अनुभव के विभिन्न पहलू शामिल हैं। जब छात्र अपने शैक्षिक अनुभव से संतुष्ट होते हैं, तो उनके अपनी पढ़ाई में संलग्न, प्रेरित और सफल होने की अधिक संभावना होती है।

छात्रों की संतुष्टि में योगदान देने वाले प्रमुख कारकों में से एक शिक्षा की गुणवत्ता है। छात्र उच्च-गुणवत्ता वाले निर्देश को महत्व देते हैं जो प्रभावी, आकर्षक और उनकी सीखने की आवश्यकताओं के लिए प्रासंगिक है। कुशल और जानकार शिक्षक जो अपने विषयों के प्रति जुनूनी हैं और नवीन शिक्षण विधियों को अपनाते हैं, एक सकारात्मक शिक्षण वातावरण बनाते हैं। जब छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलती है जो उनकी बौद्धिक जिज्ञासा को उत्तेजित करती है और महत्वपूर्ण सोच कौशल को बढ़ावा देती है, तो वे अपने शैक्षिक अनुभव से संतुष्ट महसूस करते हैं।[5]

### ii. शिक्षक की कार्य संतुष्टि

शिक्षक की कार्य संतुष्टि से तात्पर्य उस संतुष्टि और संतुष्टि के स्तर से है जो शिक्षक अपने पेशे में अनुभव करते हैं। इसमें उनके काम के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया है, जिसमें नौकरी की सुरक्षा, कार्य-जीवन संतुलन, छात्रों और सहकर्मियों के साथ संबंध, पेशेवर विकास के अवसर और समग्र कामकाजी स्थितियाँ शामिल हैं। जब शिक्षक अपने काम से संतुष्ट होते हैं, तो उनके शिक्षण में प्रेरित, संलग्न और प्रभावी होने की अधिक संभावना होती है। शिक्षक की कार्य संतुष्टि में योगदान देने वाले प्रमुख कारकों में से एक छात्रों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डालने से प्राप्त संतुष्टि की भावना है। जिन शिक्षकों को लगता है कि उनका काम सार्थक है और वे अपने छात्रों के जीवन में बदलाव ला रहे हैं, उनमें नौकरी से संतुष्टि का स्तर अधिक होता है। जब शिक्षक अपने छात्रों को बढ़ते, सीखते और सफल होते देखते हैं, तो यह

संतुष्टि की भावना प्रदान करता है और पेशे के प्रति उनके समर्पण को मान्य करता है।

शिक्षक अपने छात्रों और सहकर्मियों के साथ जो रिश्ते विकसित करते हैं, उनका उनकी कार्य संतुष्टि पर भी महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। छात्रों के साथ सकारात्मक और सहायक रिश्ते एक अनुकूल सीखने का वातावरण बनाते हैं और शिक्षण में पूर्णता की भावना में योगदान करते हैं। जब शिक्षक अपने छात्रों के साथ संबंध बनाने, उनकी जरूरतों को समझने और सहायता प्रदान करने में सक्षम होते हैं, तो इससे नौकरी की संतुष्टि बढ़ती है। इसी तरह, सहकर्मियों के साथ सहयोगात्मक और सहायक रिश्ते अपनेपन और पेशेवर विकास की भावना पैदा करते हैं। जब शिक्षकों को सहयोग करने, विचार साझा करने और अपने साथियों से सीखने का अवसर मिलता है, तो यह एक सकारात्मक कार्य वातावरण को बढ़ावा देता है और नौकरी से संतुष्टि बढ़ाता है।[6]

### 1.2 सीखने का वातावरण

सीखने का वातावरण उस भौतिक, सामाजिक और मनोवैज्ञानिक परिवेश को संदर्भित करता है जिसमें सीखना होता है। इसमें भौतिक स्थान, शिक्षण विधियाँ, पाठ्यक्रम, संसाधन और अंतःक्रियाएँ शामिल हैं जो समग्र शैक्षिक अनुभव में योगदान करती हैं। एक अच्छी तरह से डिज़ाइन किया गया और सहायक शिक्षण वातावरण प्रभावी शिक्षण को सुविधाजनक बनाने, छात्र जुड़ाव को बढ़ावा देने और शैक्षणिक सफलता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सीखने के वातावरण का भौतिक पहलू उस भौतिक स्थान को शामिल करता है जहाँ सीखना होता है, जिसमें कक्षाएँ, पुस्तकालय, प्रयोगशालाएँ और सामान्य क्षेत्र शामिल हैं। सीखने में सहयोग देने वाला वातावरण बनाने के लिए एक सुव्यवस्थित और अनुकूल भौतिक वातावरण आवश्यक है। साफ-सुथरी, अच्छी रोशनी वाली और उचित हवादार कक्षाएँ छात्रों के लिए एक आरामदायक और स्वागत योग्य वातावरण प्रदान करती हैं। विभिन्न शिक्षण और सीखने की गतिविधियों को समायोजित करने के लिए पर्याप्त स्थान, फर्नीचर और संसाधन आवश्यक हैं। फर्नीचर और शिक्षण सामग्री की व्यवस्था से बातचीत, सहयोग और लचीलेपन को बढ़ावा मिलना चाहिए। छात्रों के काम और शैक्षिक संसाधनों के प्रदर्शन के साथ एक आकर्षक वातावरण भी जुड़ाव और प्रेरणा को बढ़ा सकता है।[7]

### 2. साहित्य की समीक्षा

कोहेन, ए.एम., और ब्रॉवर, एफ.बी. (2020) कार्य के मुख्य निष्कर्ष सभी उच्च प्रदर्शन वाले विश्वविद्यालयों और स्कूलों के लिए आवश्यक पहचान योग्य और मापने योग्य पर्यावरणीय

स्थितियों से शुरू होते हैं और बुनियादी निष्कर्ष यह है कि अकादमिक रूप से सफल स्कूल में कल्याण की भावना फैलनी चाहिए जो स्वास्थ्य का सार है। इस मामले के अध्ययन के लिए एकत्र की गई जानकारी स्पष्ट रूप से इंगित करती है कि गैर-निष्पादन करने वाले स्कूलों को लगातार स्वस्थ स्थिति में बहाल करने के लिए सकारात्मक कार्रवाई के साथ-साथ भावुक नहीं तो गंभीर इच्छा होनी चाहिए। प्रभावी पुनर्स्थापन अच्छे डिजाइन के माध्यम से प्राप्त किया जाता है जो कुल पर्यावरणीय गुणवत्ता को संबोधित करता है जिसमें सामान्य स्वच्छता, अच्छी वायु गुणवत्ता, शोर नियंत्रण, और प्रकाश और चमक में कमी, सुखदायक रंग और तापमान और जलवायु द्वारा प्रदान की जाने वाली सामान्य सुविधा शामिल है।[8]

**क्रैनी, सी., स्मिथ, पी., और स्टोन, ई. (2019)** सीखने के वातावरण में एक स्कूल या कक्षा की संस्कृति भी शामिल होती है, जिसमें इसके अध्यक्ष लोकाचार और विशेषताएं शामिल होती हैं, साथ ही व्यक्ति एक-दूसरे के साथ कैसे बातचीत करते हैं और व्यवहार करते हैं, साथ ही शिक्षक किस तरह से सीखने की सुविधा के लिए शैक्षिक सेटिंग का आयोजन कर सकते हैं, जैसे कि प्रासंगिक प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्र में कक्षाएं संचालित करना, विशिष्ट तरीकों से डेस्क का समूह बनाना, दीवारों को शिक्षण सामग्री से सजाना, या ऑडियो, विजुअल और डिजिटल प्रौद्योगिकियों का उपयोग करना। स्कूल के नियमों, शासन संरचनाओं और अन्य पहलुओं को भी सीखने के वातावरण का हिस्सा माना जा सकता है क्योंकि सीखने के वातावरण के गुण और विशेषताएं परिस्थितियों की एक विस्तृत श्रृंखला से प्रभावित होती हैं।[9]

**कूपर एंड शिंडलर (2018)** पर्यावरण शब्द उस परिवेश और स्थितियों की समग्रता को दर्शाता है जिसमें कुछ या कोई व्यक्ति रहता है या कार्य करता है। सीखने के वातावरण के बारे में चर्चा एक भौतिक स्थान, एक आभासी समकक्ष, या कम से कम संगठनात्मक सिद्धांतों के एक सेट से शुरू होती है जिनकी उत्पत्ति पारंपरिक रूप से अंतरिक्ष-प्रभावित मॉडल में हुई थी। चाहे एक कक्षा हो, एक आभासी डोमेन में एक द्वीप, या एक शिक्षण प्रबंधन प्रणाली (एलएमएस) में एक चैट रूम, यह मुख्य स्थान अन्य स्थानों और संसाधनों से कनेक्शन की सुविधा प्रदान करता है। ये सीखने के अन्य स्थान हो सकते हैं, लेकिन ये शैक्षिक जगत से बाहर भी होने की संभावना है। उदाहरण के लिए, वित्त में एक वर्ग में स्टॉक-ट्रेडिंग फ्लोर से वास्तविक समय का कनेक्शन शामिल हो सकता है।[10]

**चरणथिमठ, ए.आर. (2017)** सीखने के वातावरण में सुविधाओं का एक विस्तृत समूह शामिल होता है जो सीखने को प्रभावित

करते हैं। सीखने के वातावरण का विचार एक ऐसी सेटिंग का तात्पर्य है जहां इरादे और डिजाइन हर चीज के लिए जिम्मेदार नहीं हो सकते हैं; कुछ तत्व नियंत्रण से बच जाते हैं या कम से कम अनपेक्षित होते हैं। तो, पर्यावरण जानबूझकर और आकस्मिक, योजनाबद्ध और अप्रत्याशित घटनाओं का संयोजन है। कुछ हद तक, पारंपरिक कक्षाओं में पारंपरिक शिक्षण इस गतिशीलता का समर्थन कर सकता है - छात्रों को ऐसे दिशा-निर्देश लेने के लिए असाइनमेंट दिए जा सकते हैं जो निपुणता के साथ-साथ कल्पना और रचनात्मकता भी दिखाते हैं।[11]

**भाटिया एवं तारेश (2016)** विद्यार्थियों की अलग-अलग जरूरतों को पूरा करने और अधिक लोगों के लिए व्यावसायिक विकल्पों की एक विस्तृत श्रृंखला खोलने के लिए, सुधार के कुछ प्रस्तावों में स्कूलों, कॉलेजों और कार्यस्थलों के बीच आज की तुलना में कहीं अधिक बड़े पैमाने पर सहयोग का अनुमान लगाया गया है। यदि इस महत्वाकांक्षा को हासिल करना है तो नीतिगत लीवर, फंडिंग और समर्थन सभी को एक साथ लाने की जरूरत है। सहयोग महंगा है, जबकि अन्य नीतियां और प्रदर्शन तालिकाओं का अस्तित्व जैसे कारक स्कूलों और कॉलेजों के बीच प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने का काम कर सकते हैं। पिछले 30 वर्षों के दौरान सीखने के वातावरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि, विविधीकरण और अंतर्राष्ट्रीयकरण हुआ है।[12]

### 3. कार्यप्रणाली

इस अध्ययन में गुणात्मक और मात्रात्मक दोनों पद्धतियों का उपयोग किया गया है। इस शोध उपकरणों से एकत्र किए गए डेटा की व्याख्या के लिए गणना की गई थी। प्राथमिक डेटा के साथ-साथ, शोधकर्ता ने सर्वेक्षण परिणामों का समर्थन करने के लिए संबंधित प्रकाशित लेखों और साहित्य के रूप में माध्यमिक संसाधनों का भी उपयोग किया।

अनुसंधान को कई अलग-अलग तरीकों से परिभाषित किया गया है। वैज्ञानिक अनुसंधान को "प्राकृतिक घटनाओं के बीच अनुमानित संबंधों के बारे में काल्पनिक प्रस्तावों की व्यवस्थित, नियंत्रित, अनुभवजन्य और महत्वपूर्ण जांच के रूप में बताता है। अनुसंधान एक व्यवस्थित और वस्तुनिष्ठ विश्लेषण और नियंत्रित टिप्पणियों की रिकॉर्डिंग है जो सामान्यीकरण, सिद्धांतों या सिद्धांतों के विकास को जन्म दे सकता है। जिसके परिणामस्वरूप भविष्यवाणी होती है और संभवतः घटनाओं का अंतिम नियंत्रण होता है। अनुसंधान पद्धति को समस्या की पहचान से लेकर डेटा एकत्र करने और विश्लेषण के लिए अंतिम योजना तक की कुल रणनीति के रूप में परिभाषित किया गया है।

#### 4. परिणाम

##### 4.1 वितरण की सामान्यता

पैरामीट्रिक परीक्षण के रूप में जांच की गई वितरण की सामान्यता सामान्य वितरण वक्र की धारणा पर आधारित है, और विश्लेषण में उनका उपयोग करते समय हम मान रहे हैं कि डेटा उससे मिलता है। पैरामीट्रिक परीक्षण आम तौर पर अंतराल डेटा पर लागू होते हैं। कभी-कभी इन्हें क्रमिक डेटा के साथ भी उपयोग किया जाता है जब शोधकर्ता संतुष्ट होता है, या सफलतापूर्वक तर्क दे सकता है कि क्रमसूचक का परीक्षण इस तरह किया जा सकता है जैसे कि यह अंतराल था, जिसे अक्सर समान अंतराल पैमाने माना जाता है उसका एक अच्छा उदाहरण एक लिफ्ट-प्रकार का पैमाना है। पेशेवर और शोधकर्ता (साथ ही परीक्षार्थी) अक्सर मानते हैं कि लिफ्ट प्रकार के रेटिंग पैमाने पर प्रत्येक बिंदु मापे जा रहे निर्माण की समान दूरी या मात्रा का प्रतिनिधित्व करता है। इस अध्ययन में सामान्य वितरण वक्र अनुमान की पूर्ति के लिए जो नमूना साधनों के बीच देखे गए अंतर के परीक्षण के लिए आवश्यक है, सामान्यता और कोलमोगोरोव-स्मिरनोव का परीक्षण किया गया था। केंद्रीय सीमा प्रमेय के अनुसार संभाव्यता सिद्धांत के बीच सबसे मौलिक नियम में से एक है जो बताता है कि किसी भी वितरण आकार की बड़ी आबादी से नमूना प्रदान करना, नमूना का मतलब सामान्य वितरण होता है जब भी नमूना आकार 30 या उससे अधिक होता है। इस प्रमेय के प्रकाश में, चूंकि इस अध्ययन में दोनों नमूनों का आकार 30 (सीबीएसई: 300 और आईसीएसई: 300) से अधिक है और नमूनाकरण विधि जनसंख्या से यादृच्छिक विधि में थी, इसलिए यह माना जा सकता है कि नमूनों का मतलब सामान्य रूप से होगा वितरित। इस शोध में कोलमोगोरोव-स्मिरनोव परीक्षण द्वारा रांची और जमशेदपुर छात्रों की शैक्षिक वातावरण की धारणा और उनकी संतुष्टि (तालिका 4.1 और 4.2) और रांची और जमशेदपुर शिक्षकों की शैक्षिक वातावरण की धारणा और उनकी नौकरी की संतुष्टि (सारणी 4.3) के लिए सामान्यता के लिए डेटा की जांच की गई। और 4.4).

तालिका 4.1. भारतीय छात्रों के चर के लिए सामान्यता का वितरण

एन		शैक्षिक वातावरण	शैक्षिक संतुष्टि
एन		380	380
सामान्य पैरामीटर	माध्य	15.4248	15.5823
	एसटीडी. विचलन	2.51332	2.54023
सबसे घरम अंतर	निरपेक्ष	.047	.056
	सकारात्मक	.047	.056
	नकारात्मक	.036	.039
कोलमोगोरोव-स्मिरनोव जेड		.922	1.088
असिम्प. सिग. (2-पूछ)		.362	.187

तालिका 4.2. जमशेदपुर छात्रों के चर के लिए सामान्यता का वितरण

एन		शैक्षिक वातावरण	शैक्षिक संतुष्टि
एन		365	365
सामान्य पैरामीटर	माध्य	15.6703	15.4398
	एसटीडी. विचलन	2.61502	2.48860
सबसे घरम अंतर	निरपेक्ष	.063	.065
	सकारात्मक	.056	.039
	नकारात्मक	-.063	-.065
कोलमोगोरोव-स्मिरनोव जेड		1.206	1.243
असिम्प. सिग. (2-पूछ)		.109	.091

डेटा के वितरण या सामान्यता की जांच करने के लिए कोलमोगोरोव-स्मिरनोव परीक्षण आयोजित किया गया। तालिका 4.1 के अनुसार, शैक्षिक वातावरण और उनकी संतुष्टि के बारे में भारतीय छात्रों की धारणा का औसत स्कोर 15.4248 और 15.5823 था, जबकि परिणाम बताते हैं, शैक्षिक वातावरण के-एस जेड परीक्षण (0.92), (पी)= 0.36 > 0.05 =  $\alpha$  और संतुष्टि के-एस Z परीक्षण (1.08), (P)= 0.187 > 0.05 =  $\alpha$ , इस प्रकार सामान्यता की धारणा के कारण डेटा का वितरण कि (P) मान महत्वपूर्ण के स्तर से अधिक होना चाहिए (P > 0.05) तो वितरण लगभग सामान्य और सममित था। तालिका 4.2 के अनुसार, शैक्षिक वातावरण और उनकी संतुष्टि के बारे में जमशेदपुर छात्रों की धारणा का औसत स्कोर 15.6703 और 15.4398 था, जबकि परिणाम दिखाते हैं, शैक्षिक वातावरण के-एस जेड परीक्षण (1.206), (पी)= 0.109 > 0.05 =  $\alpha$  और संतुष्टि के-एस Z परीक्षण (1.243), (P)= 0.091 > 0.05 =  $\alpha$ , इस प्रकार सामान्यता की धारणा के कारण डेटा का वितरण (पी) मान महत्वपूर्ण स्तर (पी > 0.05) से अधिक होना चाहिए, तब वितरण लगभग सामान्य और सममित था।

तालिका 4.3. भारतीय शिक्षकों के लिए सामान्यता का वितरण चर

एन		शैक्षिक वातावरण	नौकरी से संतुष्टि
एन		325	325
सामान्य पैरामीटर	माध्य	13.0017	7.4530
	एसटीडी. विचलन	2.32128	1.67973
सबसे घरम अंतर	निरपेक्ष	.053	.035
	सकारात्मक	.050	.035
	नकारात्मक	-.053	-.033
कोलमोगोरोव-स्मिरनोव जेड		.953	.629
असिम्प. सिग. (2-पूछ)		.324	.824

डेटा के वितरण या सामान्यता की जांच करने के लिए कोलमोगोरोव-स्मिरनोव परीक्षण आयोजित किया गया। तालिका 4.3 के अनुसार, शैक्षिक वातावरण और उनकी नौकरी

की संतुष्टि के बारे में भारतीय शिक्षकों की धारणा का औसत स्कोर 13.0017 और 7.4530 था, जबकि परिणाम बताते हैं, शैक्षिक वातावरण के-एस जेड परीक्षण (0.953), (पी)=0.324>0.05=α और उनके कार्य संतुष्टि के-एस जेड परीक्षण (0.629), (पी)=0.824>0.05=α, इस प्रकार सामान्यता की धारणा के कारण डेटा का वितरण कि (पी) मान महत्वपूर्ण के स्तर से अधिक होना चाहिए (पी>0.05) तो वितरण अनुमानित था सामान्य और सममित।

#### 4.2 वर्णनात्मक सांख्यिकी

तालिका 4.5 में, सामान्य परिवेश में भारतीय छात्रों का औसत स्कोर (एम: 3.48, एसडी:.65) और जमशेदपुर छात्रों का औसत स्कोर (एम: 3.52, एसडी: .63)। जलवायु में भारतीय छात्रों का औसत स्कोर (एम: 2.84, एसडी: .88) जमशेदपुर छात्रों का औसत स्कोर (एम: 2.75, एसडी: .95)। शोर में भारतीय छात्रों का औसत स्कोर (एम: 2.88, एसडी: .73) और जमशेदपुर छात्रों का औसत स्कोर (एम: 2.82, एसडी: .82)। शोर में भारतीय छात्रों का औसत स्कोर (एम: 2.83, एसडी: .73) और जमशेदपुर छात्रों का औसत स्कोर (एम: 2.81, एसडी: .85)। दीवारों में भारतीय छात्रों का औसत स्कोर (एम: 3.03, एसडी: .71) और जमशेदपुर छात्रों का औसत स्कोर (एम: 2.87, एसडी: .86)।

तालिका 4.6 में, अच्छे शिक्षण में भारतीय छात्रों का औसत स्कोर (एम: 3.08, एसडी:.74) और अच्छे शिक्षण में जमशेदपुर छात्रों का औसत स्कोर (एम: 2.88, एसडी: .81)। सामान्य कौशल (एम: 3.02, एसडी: .71) सामान्य कौशल में जमशेदपुर छात्रों का औसत स्कोर (एम: 2.88, एसडी: .81)। समग्र संतुष्टि में भारतीय छात्रों का औसत स्कोर (एम: 2.89, एसडी: 1.02) और समग्र संतुष्टि में जमशेदपुर छात्रों का औसत स्कोर (एम:2.80, एसडी: 1.01)। भारतीय छात्रों का सीखने के संसाधनों से संतुष्टि का औसत स्कोर (एम: 2.89, एसडी: .97) और सीखने के संसाधनों से जमशेदपुर छात्रों का औसत स्कोर (एम: 2.78, एसडी: .98)। उचित मूल्यांकन में भारतीय छात्रों का औसत स्कोर (एम: 2.90, एसडी: .96) उचित मूल्यांकन में जमशेदपुर छात्रों का औसत स्कोर (एम: 2.77, एसडी: .96)। भारतीय का औसत स्कोर उचित कार्य भार के प्रति छात्रों की संतुष्टि (एम:2.87,एसडी:1.006) और उचित कार्य भार के प्रति जमशेदपुर छात्रों का औसत स्कोर (एम:2.76,एसडी:.99)।

तालिका 4.4: शैक्षिक वातावरण के बारे में रांची और जमशेदपुर छात्रों की औसत, मानक विचलन और न्यूनतम और अधिकतम धारणा

विश्वविद्यालय		एन	माध्य	एसटीडी. विचलन	एसटीडी. त्रुटि माध्य
सामान्य	रांची	380	3.4840	.65828	.03377
	जमशेदपुर	365	3.5295	.63009	.03298
जलवायु	रांची	380	2.8476	.88082	.04519
	जमशेदपुर	365	2.7575	.95660	.05007
शोर	रांची	380	2.8881	.73341	.03762
	जमशेदपुर	365	2.8232	.82011	.04293
छत	रांची	380	2.8331	.73114	.04356
	जमशेदपुर	365	2.8140	.85024	.04450
दीवारों	रांची	380	3.0379	.71110	.03648
	जमशेदपुर	365	2.8750	.86787	.04543

तालिका 4.6: माध्य, मानक विचलन और भारतीय और जमशेदपुर छात्रों की न्यूनतम और अधिकतम संतुष्टि

विश्वविद्यालय	एन	माध्य	एसटीडी. विचलन	एसटीडी. त्रुटि माध्य	
अच्छा शिक्षण	रांची	380	3.0858	.74814	.03838
	जमशेदपुर	365	2.8861	.81758	.04279
सामान्य कौशल	रांची	380	3.0219	.71737	.03680
	जमशेदपुर	365	2.8812	.81390	.04260
पूर्ण संतुष्टि	रांची	380	2.8981	1.02962	.05282
	जमशेदपुर	365	2.8093	1.01211	.05298
सीखने के संसाधन	रांची	380	2.8971	.97498	.05002
	जमशेदपुर	365	2.7884	.98624	.05162
उचित मूल्यांकन	रांची	380	2.9088	.96731	.04962
	जमशेदपुर	365	2.7770	.96296	.05040
उचित कार्य भार	रांची	380	2.8742	1.00677	.05165
	जमशेदपुर	365	2.7641	.99656	.05216

## 5. निष्कर्ष

अध्ययन से पता चला कि जब शैक्षणिक माहौल सकारात्मक होता है, तो शिक्षक उच्च स्तर की नौकरी से संतुष्टि का अनुभव करते हैं। एक सहायक माहौल शिक्षकों को उनकी भूमिकाओं में मूल्य, प्रेरणा और पूर्ति की भावना प्रदान करता है। यह शिक्षकों के बीच सहयोग को बढ़ावा देता है, व्यावसायिक विकास के अवसर प्रदान करता है और प्रभावी संचार को बढ़ावा देता है। इसके अलावा, एक सकारात्मक माहौल शिक्षकों के बीच स्वायत्तता, रचनात्मकता और अपनेपन की भावना को प्रोत्साहित करता है, जिससे उनके पेशे के प्रति प्रतिबद्धता और समर्पण बढ़ता है। सकारात्मक शैक्षणिक माहौल का छात्रों की संतुष्टि पर गहरा प्रभाव पड़ता है। जब कक्षा का वातावरण पोषणकारी, सम्मानजनक और प्रेरक होता है, तो छात्र अपने सीखने के अनुभवों के साथ उच्च स्तर की सहभागिता, प्रेरणा और संतुष्टि प्रदर्शित करते हैं।

## संदर्भ

1. अहधर, जी. (2018) तेहरान में माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के बीच व्यावसायिक तनाव में स्कूल संगठनात्मक माहौल की भूमिका।
2. बार्कले, डी. डब्ल्यू. (2018)। संगठनात्मक खरीदारी में अंतर्विभागीय संघर्ष: संगठनात्मक संदर्भ का प्रभाव। जर्नल ऑफ मार्केटिंग रिसर्च, 28(2), 145-159।
3. बेकर, एच.एस. (2017)। प्रतिबद्धता की अवधारणा पर नोट्स. अमेरिकन जर्नल ऑफ सोशियोलॉजी, 66(1), 32-40।
4. एंटोनिया, और डोनाल्ड (2019) कक्षा-कक्ष संघर्ष प्रबंधन और माध्यमिक शिक्षकों की नौकरी संतुष्टि का अध्ययन, शोध प्रबंध सार इंटरनेशनल, खंड 44, संख्या 11, पृष्ठ 32.14।
5. अहलूवालिया, एस.पी. (2016) शिक्षक रवैया सूची का विकास और मानकीकरण। द जे. एजुकेशनल रिसर्च, 11(3), पृष्ठ.970-104।
6. एटनबेरी, एम.जी. (2017) प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापकों की भावनात्मक स्थिरता और नौकरी की संतुष्टि के बीच संबंध, शोध प्रबंध सार इंटरनेशनल, 37(10), 6163-ए।
7. बेस्ट, जे.डब्ल्यू. और कहन, जे. वी. (2019) शिक्षा में अनुसंधान (सातवां संस्करण), नई दिल्ली प्रेंटिस हॉल ऑफ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड।
8. कोहेन, ए.एम., और ब्रॉवर, एफ.बी. (2020)। अमेरिकन कम्युनिटी कॉलेज (चौथा संस्करण)। सैन फ्रांसिस्को: जोसी-बास।
9. क्रैनी, सी., स्मिथ, पी., और स्टोन, ई. (2019)। नौकरी से संतुष्टि: लोग अपनी नौकरी के बारे में कैसा महसूस करते हैं और यह उनके प्रदर्शन को कैसे प्रभावित करता है। न्यूयॉर्क: लेक्सिंगटन बुक्स।
10. कूपर एंड शिंडलर (2018)। व्यवसाय अनुसंधान के तरीके. दूसरा यूरोपीय संस्करण. पीपी. 562
11. चरणथिमठ, ए.आर. (2017) कार्य मूल्यों के संबंध में कॉलेज शिक्षकों की कार्य संतुष्टि का एक अध्ययन। अप्रकाशित एम.फिल. निबंध, मनोविज्ञान में स्नातकोत्तर अध्ययन विभाग, कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़।
12. भाटिया एवं तारेण (2016) कार्य संतुष्टि के स्तर पर शिक्षण अनुभव का प्रभाव। इंडियन साइकोलॉजिकल रिव्यू, 35(7-8), पृ.39-40।

## Corresponding Author

### Ravishankar Singh\*

Researcher, Capital University, Koderma